THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF HEAVY INDUSTRY) (SMT. KRISHNA SAHI): (a) Since manufacture of carts has been delicensed, approval of Government is not required for the same.

(b) M/s. Hindustan Motors have been granted approval for setting up a joint venture with M/s. General Motors of U.S.A., for the manufacture of cars. Recently Premier Automobiles Ltd. have submitted a proposal for setting up a joint venture for the manufatcue of cars in collaboration with M/s. Peugeot of France.

ग्रामीण उद्योगों का विकास

1964. **श्री गोपाल सिंह जी सोलंकी :** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि ग्रामीण उद्योगों के विकास के लिए कम धन आबंटित किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(ग) पिछले चार वर्षों के दौरान ग्रामीण उद्योगों के विकास के लिए वर्ष वार कितना धन खर्च किया गया ?

उद्योग मंत्रालय (लघु उद्योग और कृषि तथा ग्रामीण उद्योग) में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम) : (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) ग्रामीण उद्योगों के विकास हेतु पिछले 4 वर्षों के दौरान खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग को केन्द्र सरकार द्वारा आवंटित की गई धनराशि का विवरण नीचे दिया गया है :–

वर्ष	धनराशि (रु० लाख में)
1989–90	17500
1990–91	18600
1991–92	19300
1992–93	19300

इसके अलावा ग्रामीण उद्योगों के विकासार्थ चालू वर्ष के दौरान खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग को 21000 लाख रुपए की धनराशि का बजट आवंटन किया गया है।

सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में बिजली की कमी

1965. **श्री गोपाल सिंह जी सोलंकी :** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकारी क्षेत्र की क्षमता के कम उपभोग का प्रमुख कारण बिजली की कमी है ;

(ख) यदि हां, तो कौन-कौन से उपक्रम बिजली की कमी की समस्या का सामना कर रहे हैं; और

(ग) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है?

उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) में राज्य मंत्री और उद्योग मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) से (ग) सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में क्षमता के कम उपयोग के विभिन्न कारण हैं। एक ऐसा कारण बिजली की कमी है और अन्य प्रमुख कारण हैं :—क्रय आदेश की खराब स्थिति, कच्चे माल की कमी/अनुपलब्धता, कार्यशील पूंजी/नकदी की समस्यायें, संयंत्र